आरोग्य और आयुर्वेद के दाता भगवान धनवंतरि

समुद्र मंथन से आयुर्वेद लेकर प्रकट हुए थे भगवान धनवंतरिजी, स्वास्थ्य को ही परमधन माना है

धनतेरस यानी ; आरोग्यम् धन संपदाम !

नवभारत न्यूज

ब्यावरा 17 अक्टूबर , का. धनतेरस का महत्व दीपोत्सव पर काफी महत्वपूर्ण है. धनतेरस से पंच दिवसीय दीपोत्सव आरम्भ होती है. दीवाली से पहले धनतेरस पर लोग खरीदारी करते हैं इसका ज्योतिष शास्त्र में बड़ा महत्व है. धनतेरस पर की गई खरीददारी वैभव और एश्वर्य में वृद्धि करती है. धनतेरस पर खरीदी का विशेष महत्व है. घर में मां लक्ष्मी और भगवान कुबेर का वास होता है . धनतेरस के दिन कुबेर जी की पूजा होती है. ज्योतिष शास्त्र के अनुसार इस साल धनतेरस पर काफी शुभ योग बन रहे हैं.

इस दिन विभिन्न उपयोगी वस्तुओं की खरीदारी करना शुभ माना जाता है. धनतेरस हिंदुओं के प्रमुख त्योहारों में से एक है जिसे पूरे देश में बेहद खुशी और उत्साह के साथ मनाया जाता है. लोग धन और समृद्धि की देवी देवी लक्ष्मी और भगवान कुबेर की पूजा करते हैं. इस दिन को धन्वंतरि जयंती के रूप में भी मनाया जाता है. ज्योतिष शास्त्र के अनुसार इस साल धनतेरस का दिन काफी खास है, क्योंकि कई ग्रहों की स्थिति में बदलाव हुआ है.

धनतेरस पर खरीदारी का है विशेष महत्व

समाज का हर वर्ग किसी न किसी प्रकार की खरीदी, अपने सार्मथ्य के अनुसार करता है. धनतेरस का दिन बाजारों में रोनक की शुरूआत कर देता है. यह रौनक दीपावली तक लगातार चलती रहती है. सजे -धजे बाजार को हर व्यापारी, दुकानदार को लंबा इंतजार धनतेरस का रहता है. यहीं कारण है कि धनतेरस को छोटी दीपावली भी कहा जाता है. इस मौके पर बर्तन, आभूषण, कपड़े के साथ ही कार, मोटरसाइकल सहित सभी प्रकार के वाहन, इलेक्ट्रानिक उपकरण, चल-अचल सम्पत्ति खरीदने की मान्यता है. पंचांग के अनुसार, प्रतिवर्ष धनतेरस का पर्व कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को मनाया जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन भगवान धन्वंतरि का प्राकट्य हुआ था। इसी के कारण इसे धन्वंतरि जयंती के साथ-साथ धन त्रयोदशी भी कहा जाता है। धनतेरस पर मां लक्ष्मी के साथ कुबेर जी, देवता यमराज के साथ धन्वतंरि जी की पूजा की जाती है। धनतेरस के दिन सोना-चांदी के अलावा वाहन, गणेश-लक्ष्मी जी मूर्ति, बर्तन, झाड़ू, साबुत धनिया से लेकर कई चीजों की खरीदारी करना शुभ माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन पीतल, चांदी या फिर धातु से बनी चीजें खरीदने से कई गुना अधिक शुभ फलों की प्राप्ति होती है.

सृष्टि को आरोग्य का मंत्र देने, शरीर को निरोगी बनाने धनवंतरी की पूजा जरूरी

देवी लक्ष्मी सागर मंथन से उत्पन्न हुई है उसी प्रकार भगवान धनवन्तरि भी अमृत कलश के साथ सागर मंथन से उत्पन्न हुए हैं. देवी लक्ष्मी हालांकि धन की देवी हैं परन्तु उनकी कृपा प्राप्त करने के लिए आपको स्वस्थ्य और लम्बी आयु भी चाहिए . इसके लिये धनवंतरी की पूजा जरूरी है. यह धनतेरस को की जाती है. मनुष्य को सिर्फ धन से संतुष्टि नहीं मिलती जब तक की वह शारीरिक रूप से खुश नहीं हो लक्ष्मी का होना भी उसके लिये संतोषकारी नहीं है. इसलिये धनतेरस को धनवंतरी जी की पूजा की जाती है. धन्वन्तरि चिकित्सा के देवता माने जाते हैं इसलिए चिकित्सकों के लिए धनतेरस का दिन बहुत ही महत्वपूर्ण होता है. धनतेरस के संदर्भ में एक लोक कथा प्रचलित है कि यम देवता ने कहा कि जो प्राणी धनतेरस की शाम यम के नाम पर दक्षिण दिशा में दीया जलाकर रखता है उसकी अकाल मृत्यु नहीं होती है.

धनतेरस के लिये कुछ विशेष बातें...

- -धनतेरस की रात यदि आपको अपने घर में छिपकली दिख जाए तो समझें पूरा वर्ष शुभ रहेगा. इस दिन संयोगवश इसके दर्शन दुर्लभ होते हैं.
- -सायंकाल मुख्य द्वार पर आटे का चौमुखी दीपक बना कर , चावल या गेहूं की ढेरी पर रखें. साथ में जल, रोली ,गुड़, फूल, नैवेद्य रखें. इसे आज से 5 दिन हर शाम जलाएं.
- -व्यवसायी अपने बही-खाते, विद्यार्थी पुस्तकों आदि की पूजा करें .
- -आरोग्य हेतु आज धन्वंतरि दिवस पर जरुरत मंदों को दवाई दान दें.
- -नई या पुरानी इलैक्ट्रानिक आयटम पर नींबू घुमा के वीरान जगह फेंकें या निचोड़ के फ्लश में डाल दें.
- -नई वाहन खरीदने पर उसके बोनट पर कुमकुम व घी के मिश्रण से स्वास्तिक का चिन्ह बनाएं , नारियल पर रोली से ओम् बना के वाहन के आगे फोड़ें और प्रसाद बांट दें.